Printed Pages – 4

J-99

B.A. (Part-III) Examination, 2021

SANSKRIT

Paper - I

(नाटक, छन्द तथा व्याकरण)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। अंक प्रश्नों के समक्ष अंकित हैं।

इकाई–I

Q. 1. (अ) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **20**

(क) न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्
मृदुनि मृगशरीरे पुष्पराशाविवाग्निः।।
क्ववत हरिणकानां जीवितं चातिलोलं।
क्व च निशितनिपाताः वज्रसाराः शूरास्ते।।

(ख) विचिन्तयन्ती यमनन्य मानसा
तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्
कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव।।

(ग) भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैर्नवाम्बु-
भिर्दूरबिलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सतपुरुषाः समृद्धिभिः
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

(ब) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का हिन्दी अर्थ लिखिए : **10**

(क) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषुया
नादन्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
अधि वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

(ख) महाभागः कामं नपतिरभिन्नस्थितिरहो
न कश्चिद्वर्णानाम प्रथम कृण्येऽपि भजते।
तथापीडं शन्धत्परिचतविविक्तेन मनसा
जनाकीर्ण मन्ये हुतवहपरीतं गृहमिव।।

(ग) पुत्रस्य ते रणशिरस्यमभयायी
दुष्यन्त इत्यभिहितो भुवनस्य भर्ता।
चापेन यस्य विनिवर्तितकर्मजातं
तत्कोटिमत्कुलिश्माभरणं मघोनः।।

इकाई–II

Q. 2. अभिज्ञान शाकुन्तल नाटक के चतुर्थ अंक का कथासार लिखिए। **10**

अथवा

"उपमा कालिदासस्य" की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

इकाई–III

Q. 3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन छन्दों का लक्षण सोदाहरण लिखिए : **15**

(क) आर्या छन्द

(ख) इन्द्रवज्रा छन्द

(ग) उपजाति छन्द

(घ) मन्दाक्रान्ता छन्द

(ङ) मालिनी छन्द

इकाई–IV

Q. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रयोगों को सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए : **10**

(1) कर्तव्यम्

(2) स्तुत्यः

(3) कृत्वा

(4) गन्तुम

(5) लभमानः

(6) भिन्नः

इकाई–V

Q. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रयोगों को सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए : **10**

(1) दैत्यः

(2) जनता

(3) कौन्तेयः

(4) पुष्पितम्

(5) अजा

(6) नर्तकी